दूरस्थ शिक्षा

मॉड्यूल-5

अंतर-क्षेत्रीय समन्वयन और सूचना, शिक्षा तथा संचार प्रबंधन

(Inter-Sectoral Coordination and IEC Management)

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरोली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुखसम्पदा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन में
दूरस्थ शिक्षा

मॉड्यूल-5

अंतर-क्षेत्रीय समन्वयन और सूचना, शिक्षा तथा संचार प्रबंधन

(Inter-Sectoral Coordination and IEC Management)

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरोली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुखसम्पदा

प्रस्तावना

मुझे इस संशोधित माड्यूल को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है और यह प्रयोक्ताओं के लिए अधिक संगत, व्यावहारिक और अनुकूल है और यह स्वास्थ्य व्यावसायिकों को लंबे समय तक स्वास्थ्य प्रबंधन में एक लाभदायक अंर्तदृष्टि प्रदान करेगा। स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए प्रबंधकीय शिक्षा की आवश्यकता काफी समय से हमेशा महसूस की जा रही थी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एन आई एच एफ डब्ल्यू) को इसके स्थापना वर्ष 1977 से ही स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए ऐसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को आयोजित करने का कार्य सौंपा गया था। हालांकि इनमें प्रशिक्षित किए जाने वाले कार्मिकों की संख्या बहुत अधिक थी, और उन्हें कुछ हफ्तों की अवधि के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एन आई एच एफ डब्ल्यू) में भेजना संभव नहीं था। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने देश के अन्य श्रेष्ठ प्रमुख प्रबंधन संस्थाओं के साथ मिलकर एक ष्राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन संकाय ष की स्थापना की और इस विशिष्ट निकाय ने डॉक्टरों के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन में दूरस्थ शिक्षा पाठयक्रम की संकल्पना तैयार की। इसके लिए वित्तीय सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन से मिली और इसका बैच 1991 में शुरु हुआ था।

यहाँ इन मॉड्यूलों को प्रस्तुत करने में किए गए वृहत प्रयासों का उल्लेख करना सुसंगत होगा। शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए विभिन्न स्तरों पर कोर ग्रुपों और विशेषज्ञ ग्रुपों की कई समीक्षा बैठकें और कार्यशलाएं आयोजित की गईं। शिक्षण सामग्री की आवश्यकताओं के अनुरुप और वास्तविक बनाने के प्रयास में, जिला स्वास्थ्य प्रबंधकों के एक समूह पर इसका पूर्व परीक्षण किया गया और इसमें उचित भाषा का प्रयोग किया गया ताकि शिक्षण सामग्री प्रशिक्षार्थियों को अच्छी तरह से समझ में आ सके। तब से लेकर अब तक इस पाठयक्रम के ग्यारह वर्ष पूरे हो चुके हैं और इन माड्यूलों की उपयोगिता के संबंध में हमें प्रशिक्षार्थियों से महत्वपूर्ण फीडबैक प्राप्त हुआ है। माड्यूलों की वास्तविक जीवन परिस्थितियों के अनुरुप अधिक व्यावहारिक बनाने में सुझावों ने हमें इन माड्यूलों को समय-समय पर संशोधित करने के लिए प्रोत्साहित किया है ताकि ये अधिक उपयोगी हो सकें।

इन माड्यूलों को प्रारम्भिक स्तर पर तैयार करने में लगे कोर ग्रुप में एन आई एच एफ डब्ल्यू, नई दिल्ली के प्रो0 जे.पी.गुप्ता व श्री डी.एच.नाथ, प्रो0 ए.वी.शणमुगम्, आई.आई.एम, बंगलौर, प्रो0 मधु एस. मिश्रा, आई.आई.एम, कलकत्ता, प्रो0जे.के.सातिया, आई.आई.एम, अहमदाबाद, प्रो0 एस.चक्रवर्ती, आई.आई.एम, लखनऊ तथा प्रो0 वी.के.अरोड़ा, राजस्थान लोक प्रशासनिक संस्थान जयपुर शामिल थे।

इस कोर ग्रुप को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के प्रो.टी.आर.आनन्द तथा डा.जे.के.दास का समर्थन प्राप्त था।

वर्ष 1995 में माड्यूलों को संशोधित करने के लिए पहली बार गठित कोर ग्रुप में प्रो0 मधु एस. मिश्रा, आई.आई.एम, कलकत्ता, प्रो0 एस.चक्रवर्ती, आई.आई.एम, लखनऊ ,प्रो0 ए. वी.शणमुगम्, एस.डी.एम. प्रबंधन विकास संस्थान, मैसूर, प्रो0 वी.के.अरोड़ा, जयपुर और एन आई एच एफ डब्ल्यू का एक दल शामिल था जिसमें प्रो. एच. हेलेन. निदेशक, प्रो. आई. मुरली, डीन, प्रो.जे.आर.भाटिया, परामर्शदाता तथा डा.संजय गुप्ता समन्वयकर्ता शामिल थे।

सबसे बाद में इसमें संशोधन वर्ष 2002 में किया गया था। इसके लिए गठित कोर ग्रुप में एन आई एच एफ डब्ल्यू के निम्नलिखित संकाय सदस्य शामिल थे डा.एस.सी.कपिलाश्रमी, निदेशक, प्रो.एन.के.सेठी, डीन, प्रो.(श्रीमती) एम.भट्टाचार्य, विभागाध्यक्ष, सी.एच.ए. विभाग, प्रो.ए.के.सूद, विभागाध्यक्ष, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, डा.जे.के.दास, रीडर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, एम.सी.एच.ए. विभाग, तथा डा.संजय गुप्ता समन्वयकर्ता ।

एन.आई.पी.सी.डी., बंगलौर के क्षेत्रीय निदेशक डा.उषा अबरोल ने वर्ष 2002 में इस मॉड्यूल का संशोधन किया था। यह कोर ग्रुप उनके प्रति भी आभारी है।

यदि यह मॉड्यूल पाठकों को बेहतर जानकारी प्रदान करने एवं संकल्पनाओं को समझने में सहायक होता है तथा उनके संगठनों के कारगर प्रबंधन के लिए उनमें विश्वास पैदा करता है, तो यह कोर ग्रुप अपने प्रयासों को सार्थक समझेगा।

(एम.सी.कपिलाश्रमी)

सितम्बर 2002
एन आई एच एफ डब्ल्यू,
नई दिल्ली

विषय सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
मॉड्यूल 5 :	**अंतर-क्षेत्रीय समन्वय और सूचना, शिक्षा तथा संचार प्रबंधन**	**1**
	परिचय	1
	उद्देश्य	2
	यूनिट	2
यूनिट 5.1	**अंतर-क्षेत्रीय समन्वय**	**3**
5.1.1	उद्देश्य	3
5.1.2	मुख्य शब्दावली तथा संकल्पनाएं	3
5.1.3	परिचय	3
5.1.4	संकल्पना	4
5.1.5	स्वास्थ्य देखभाल संबंधी तंत्र में समन्वय की आवश्यकता	5
5.1.6	समन्वय के प्रकार	6
5.1.7	समन्वय की क्रियाविधि	14
5.1.8	अंतर-क्षेत्रीय समन्वय की योजना तैयार करते समय उठाए जाने वाले कदम	20
5.1.9	केस अध्ययन	21
5.1.10	यूनिट-समीक्षा संबंधी प्रश्न	24
5.1.11	जांच मदें	25
5.1.12	अन्य संदर्भ पुस्तकें	26
यूनिट 5.2 :	**सामुदायिक सहभागिता**	**27**
5.2.1	उद्देश्य	27
5.2.2	मुख्य शब्दावली तथा संकल्पनाएं	27
5.2.3	परिचय	27
5.2.4	सामुदायिक सहभागिता की संकल्पना और कार्यक्षेत्र	28
5.2.5	सामुदायिक सहभागिता के लाभ	29
5.2.6	स्वास्थ्य देखभाल में सामुदायिक सहभागिता के दौरान आने वाली बाधाएं	30
5.2.7	स्वास्थ्य में सामुदायिक सहभागिता में नवीन परियोजनाएं	31
5.2.8	स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सामुदायिक सहभागिता में प्रयोग	33
5.2.9	सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कार्य-नीतियाँ	39
5.2.10	यूनिट-समीक्षा संबंधी प्रश्न	42
5.2.11	जांच-मदें	43
5.2.12	अन्य संदर्भ पुस्तकें	43

यूनिट 5.3 :	**सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) प्रबंधन**	**45**
5.3.1	उद्देश्य	45
5.3.2	मुख्य शब्दावली	45
5.3.3	परिचय	45
5.3.4	स्वास्थ्य क्षेत्र में सूचना, शिक्षा और संचार का अवधारणात्मक ढांचा	46
5.3.5	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम को बढ़ावा देने में सूचना शिक्षा संचार की भूमिका	47
5.3.6	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में सूचना शिक्षा संचार का वर्तमान परिदृश्य	48
5.3.7	सूचना, शिक्षा, संचार प्रबंधन के मूल सिद्धान्त	48
5.3.8	सूचना, शिक्षा, संचार टीमः भूमिका एवं उत्तरदायित्व	54
5.3.9	सूचना, शिक्षा, संचार के लिए जिला योजना	61
5.3.10	सूचना, शिक्षा, संचार कार्यक्रमों का प्रबोधन	66
5.3.11	सूचना, शिक्षा, संचार गतिविधियों का मूल्यांकन	68
5.3.12	सूचना, शिक्षा, संचार की मान्यता प्राप्त श्रेष्ठ पद्धतियां	70
5.3.13	अभिनव कार्यनीतियां	72
5.3.14	जांच मदें	73
5.3.15	अन्य संदर्भ पुस्तकें	75
	जांच-मदों के उत्तर	77
	संकेताक्षर	78